भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 111
उत्तर देने की तारीख: 29.11.2021

राजस्थान में केंद्रीय विद्यालय/जवाहर नवोदय विद्यालय

111. श्री हनुमान बेनीवाल:
श्री राहुल कस्वां:
डॉ. मनोज राजोरिया:
श्री सी.पी.जोशी:
श्री बालक नाथ:

क्या ***शिक्षा*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश के विभिन्न हिस्सों, विशेषरूप से राजस्थान के चुरु जिले में सुजानगढ़ सहित नागौर जिले के खिनवसर, परबतसर, मेड़ता और डिडवाना में नए केंद्रीय विद्यालयों और जवाहर नवोदय विद्यालयों के अनुमोदन के लिए सरकार के समक्ष कोई प्रस्ताव/मांग आदि विचाराधीन है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या प्रगति हुई है;
(ग) क्या सरकार का विचार धौलपुर संसदीय क्षेत्र के करौली जिले के हिंडौन शहर में केंद्रीय विद्यालय खोलने का है, जो केवीएस संगठन मुख्यालय के पास लंबित है, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या उक्त विद्यालयों के अनुमोदन के लिए सरकार के पास किसी समिति की कोई रिपोर्ट आई है और यदि हां, तो रिपोर्ट की प्रतियों के साथ तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ड.) उक्त स्थानों पर नए केंद्रीय विद्यालयों को सरकार द्वारा अनुमोदित करने की क्या योजना है और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और
(च) देशभर में संचालित केंद्रीय विद्यालयों में शिक्षकों और पढ़ने वाले छात्रों की राज्य-वार संख्या कितनी है?

उत्तर
शिक्षा मंत्री
(श्री धर्मेंद्र प्रधान)

(क) से (ड.) : केन्द्रीय विद्यालयों (केवि) को खोला जाना एक सतत प्रक्रिया है। केन्द्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) के मानदंडों के अनुसार केंद्र सरकार के कर्मचारियों, भूमि और अस्थायी आवास की उपलब्धता के आधार पर केवी खोले जाते हैं। केंद्रीय विद्यालयों को मुख्य रूप से रक्षा और अर्द्धसैनिक बलों के कार्मिकों, केंद्रीय स्वायत्त निकायों, केंद्रीय

सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) और केंद्रीय उच्चतर शिक्षण संस्थानों (आईएचएल) के कर्मचारियों सहित केन्द्र सरकार के स्थानांतरणीय कर्मचारियों के बच्चों की शैक्षणिक आवश्यकताओं को एक समान शैक्षिक पाठ्यक्रम के माध्यम से पूरा करने के लिए खोला जाता है। नए केंद्रीय विद्यालय खोलने के प्रस्ताव पर तभी विचार किया जाता है यदि ये भारत सरकार के मंत्रालयों अथवा विभागों/राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों द्वारा प्रायोजित हों, और नए केंद्रीय विद्यालय की स्थापना के लिए संसाधनों की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई हो। विभिन्न प्रायोजक प्राधिकरणों से प्राप्त प्रस्तावों, जो नए केंद्रीय विद्यालय खोलने संबंधी पूर्व-अपेक्षाओं को पूरा करते हैं, को ऐसे अन्य प्रस्तावों के साथ 'चुनौती पद्धति' के तहत प्रतिस्पर्धा करनी होती है और सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के अध्यधीन होते हैं।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) को राजस्थान के नागौर में खिनवसर, परबतसर और डिडवाना में नए केवि खोलने के प्रस्ताव प्राप्त हो गए हैं। इन प्रस्तावों में कुछ विसंगतियां / कमियां हैं जिन्हें आवश्यक सुधार के लिए केवीएस द्वारा जिला प्रशासन, नागौर के संज्ञान में लाया गया है। मेड़ता, नागौर और हिंडौन सिटी, करौली में नए केवि खोलने के प्रस्ताव केवीएस के मानदंडों के अनुसार अनिवार्य पूर्व-अपेक्षाओं को पूरा करते पाए गए हैं। केवीएस को राजस्थान सरकार से चुरू जिले के सुजानगढ़ में एक नया केवि खोलने के लिए निर्धारित प्रोफार्मा में प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

नवोदय विद्यालय योजना में देश के प्रत्येक जिले में एक जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) खोलने की परिकल्पना की गई है ताकि मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली बच्चों को अच्छी गुणवत्ता वाली आधुनिक शिक्षा प्रदान की जा सके। जिन राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों ने इस योजना को स्वीकार किया है, उन सभी जिलों को (31 मई, 2014 की स्थिति के अनुसार) कवर किया गया है। नए जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) खोलना एक सतत प्रक्रिया है जो राज्य सरकार/संघ राज्य प्रशासन द्वारा स्थायी भवन के निर्माण के लिए नि:शुल्क अपेक्षित समुचित भूमि उपलब्ध कराने और स्थायी भवन के निर्माण होने तक किराया मुक्त अपेक्षित अस्थायी भवन उपलब्ध कराने संबंधी उनकी इच्छा पर निर्भर करता है। हालांकि, नए जेएनवी की वास्तविक स्वीकृति और उसे खोला जाना धन की उपलब्धता और सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदन पर निर्भर करता है।

राजस्थान के सभी 33 जिलों (चुरू और नागौर जिलों सहित) को नवोदय विद्यालय योजना के तहत कवर किया गया है और बांसवाड़ा (एसटी बहुल) और श्री गंगानगर (एससी बहुल) जिलों में दो अतिरिक्त जेएनवी भी स्थापित किए गए हैं। इस प्रकार राजस्थान में कुल 35 जवाहर नवोदय विद्यालय स्थापित किए गए हैं।

(च) देश भर में चल रहे केन्द्रीय विद्यालयों में अध्ययनरत शिक्षकों और छात्रों का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण संलग्न है।

*****

अनुबंध

'राजस्थान में केंद्रीय विद्यालय/जवाहर नवोदय विद्यालय' के संबंध में माननीय संसद सदस्य श्री हनुमान बेनीवाल, श्री राहुल कस्वां, डॉ. मनोज राजोरिया, श्री सी. पी. जोशी और श्री बालक नाथ द्वारा दिनांक 29.11.2021 को पूछे जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 111 के भाग (च) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

केन्द्रीय विद्यालयों में पढ़ रहे छात्रों और शिक्षकों का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	शिक्षण स्टाफ	छात्रों की संख्या
1.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	86	3236
2.	आंध्र प्रदेश	586	34239
3.	अरुणाचल प्रदेश	356	9717
4.	असम	1794	55400
5.	बिहार	1440	55539
6.	चंडीगढ़	297	8740
7.	छत्तीसगढ़	984	36705
8.	दादर और नगर हवेली और दमन और दीव	41	1676
9.	दिल्ली	3731	126667
10.	गोवा	105	4863
11.	गुजरात	1314	42727
12.	हरियाणा	1249	35669
13.	हिमाचल प्रदेश	675	16072
14.	जम्मू और कश्मीर	800	29733
15.	लद्दाख	55	1109
16.	झारखंड	942	34765
17.	कर्नाटक	1153	64153
18.	केरल	1177	56237
19.	लक्षद्वीप	17	357
20.	मध्य प्रदेश	3214	118835
21.	महाराष्ट्र	2171	83077
22.	मणिपुर	230	6341
23.	मेघालय	201	5327
24.	मिजोरम	63	1991
25.	नगालैंड	114	2062
26.	उड़ीसा	1304	63010
27.	पुदुचेरी	61	4713
28.	पंजाब	1761	51603
29.	राजस्थान	2593	74712
30.	सिक्किम	46	946
31.	तमिलनाडु	878	64672
32.	तेलंगाना	756	39587
33.	त्रिपुरा	199	6924
34.	उत्तर प्रदेश	5464	178147
35.	उत्तराखंड	1542	44194
36.	पश्चिम बंगाल	1537	72578
	कुल	**38936**	**1436323**

*****